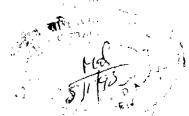


असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3-उप-खण्ड (ii) PART II--Section 3--Sub-section (ii)

प्राविकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



सं॰ 626] No. 626 | नई दिल्ली, सोमचार, नवम्बर 10, 1997/कार्तिक 19, 1919 NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 10, 1997/KARTIKA 19, 1919

खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1997

का.आ. 772 (अ) .— केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दाल, खाने योग्य तिलहन और खाने योग्य तेल (भंडारण नियंत्रण) आदेश, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात्

- ा. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम खाने योग्य तिलहन और खाने योग्य तेल (भंडारण नियंत्रण) संशोधन आदेश, 1997 है ।
 - (2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगा।
- 2. दाल, खाने योग्य तिलहन और खाने योग्य तेल (भंडारण नियंत्रण) आदेश 1977 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) की उद्देशिका में ''खाने योग्य तिलहनों'' शब्दों का लोप किया जाएगा ।
- 3. ' उक्त आदेश के खण्ड 1 के उपखण्ड (1) में ''खाने योग्य तिलहन और खाने योग्य तेल'' शब्दों का लोप किया जाएगा ।
- उक्त आदेश के खण्ड 2 में ---
 - (i) उपखण्ड (च) में ''खाने योग्य तिलहन या खाने योग्य तेल'' शब्दों का लोप किया जाएगा ;
 - (ji) उपखण्ड (छ) का लोप किया जाएगा:
 - (iii) उपखण्ड (झ) में "और खाने योग्य तिलहनों" शब्दों का लीप किया जाएगा;
 - (iv) उपखण्ड (अ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—
 - (झ) ''उत्पादक'' से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो--
 - (i) स्वयं प्रसंस्कृत करने के लिए दालों को क्रय करके और थोक विक्रेता या कमीशन एजेंट के माध्यम से तैयार उत्पादों का विक्रय करके, या
 - (ii) किसी दूसरे की ओर से दलाई की कोई भी प्रक्रिया करते हुए ; किसी भी दाल की दलाई का कारबार करता है;
 - (v) उपखण्ड (ठ) में "या खाने योग्य तिलहनों या खाने योग्य तेलों" शब्दों का लोप किया जाएगा;
 - $\cdot(vi)$ उपखण्ड (ङ) में ''या खाने योग्य तिलहनों या खाने योग्य तेलों '' शब्दों का लोप किया जाएगा;
- उक्त आदेश के खण्ड 3 में—
 - (i) "या खाने योग्य तिलहनों या खाने योग्य तेलों" शब्दों का लोप किया जाएगा;
 - (ii) "या खाने योग्य तिलहनों या खाने योग्य तेलों" शब्दों का लोप किया जाएगा:

2889 GI/97

6.

- (iii) मद (ii) का लोप किया जाएगा:
- (iv) मद (iii) का लोप किया आएगा। उक्त आदेश के खण्ड 4 में~~
- (क) शीर्षक में ''खाने योग्य तिलहन और खाने योग्य तेल'' शब्दों का लोग किया जाएगा;
- (ख) उपखण्ड (1) में-
 - (i) "खाने योग्य तिलहन या खाने योग्य तेल" शब्दों का लोप किया जाएगा;
 - (ii) मद (ii) का लोप किया जाएगा:
 - (iii) मद (iii) का लोप किया जाएगा;
 - (iv) विद्यमान परन्तुकों के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखे जाएंगे, अर्थात् :— परन्तु यह कि''क'' श्रेणी नगरों में थोक विक्रेताओं के लिए विनिर्दिष्ट भंडार सीमा अन्य श्रेणियों के नगरों में स्थित ऐसी प्राथमिक मंडियों में थोक विक्रेताओं पर लागू होगी जैसािक राज्य सरकार, ऐसी मंडियों के अवस्थान और अन्य सुसंगत कारकों को, ध्यान में रखते हुए समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे :

परन्तु यह और कि जहां व्याँहारी उत्पादक या कमीशन एजेन्ट के रूप में कारबार भी कर रहा है वहां वह तो प्रत्येक ऐसे कारबार के लिए इस उपखण्ड में विनिर्दिष्ट भंडार सीमा को बनाए रखने का हकदार होगा, यदि ऐसा कारबार और उसके लेखा अलग-अलग रखा जाए और इनमें एक दूसरे में भिन्नता हो।

परन्तु यह और भी कि नीचे सारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट कोई भी उत्पादक, यथास्थिति, भंडार अथवा अपने कको में, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक किसी भी समय साबूत दालें नहीं रखेगा ओर वह अपने पास उक्त सारणी के स्तम्भ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट मात्रा से अधिक भण्डार नहीं रखेगा :—

सारणी

उत्पादक	साबूत दालों की मात्रा	दली हुई दालों के भंडार की मात्रा . (3)		
(1)	(2)			
	(क) उत्पादक जो इस आदेश के आरंभ पर कारबार कर रहा है।	(ख) उत्पादक जिसने इस आदेश के आरंभ के पश्चात कारबार प्रारंभ किया है।	(क) उत्पादक जो इस आदेश के आरंभ पर कारबार कर रहा है।	(ख) उंत्पादक जिसने इस आदेश के आरंभ के पश्चात कारबार प्रारंभ किया है।
दाल - उत्पादक	31 अक्तूबर 1982 को समाप्त होने वाले किन्हीं तीन वर्षों में से किसी वर्ष में उसके द्वारा उपयोग की गई दालों की अधिकतम मात्रा का बारहवां भाग।	उत्पादन के आरंभ होने की की तारीख से एक वर्ष की अविध के लिए दालों की उस मात्रा का बारहवां भाग जो उसकी वार्षिक संस्था- पित क्षमता के बराबर की मात्रा का उत्पादन करने के लिए आवश्यक होगी। उत्पादन के दूसरे और तीसरे वर्ष के लिए दालों की मात्रा का बारहवां भाग जो उसकी वार्षिक संस्थापित क्षमता के बराबर की मात्रा का उत्पादन करने के लिए आवश्यक होगी तथा तत्पश्चात् उसके उत्पादन के प्रारंभ के ठीक पश्चात् किन्हीं तीन वर्षों में उसके द्वारा उप-योग की गई दालों की अधिक तम मात्रा का बारहवां भाग।	31 अक्तूबर, 1982 को समाप्त होने वाले किन्हीं तीन वर्षों में से किसी वर्ष में उसके अधिकतम उत्पादन का चौबीसवां भाग।	उत्पादन के आरंभ होने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए उसकी वार्षिक संस्था- पित क्षमता के बराबर की मात्रा का चौबीसबां भाग दूसरे और तीसरे वर्ष के लिए उसके उत्पादन की मात्रा का चौबीसबां भाग जो उसकी वार्षिक संस्थापित क्षमता के बराबर मात्रा का उत्पादन करने के लिए आवश्यक होगी तथा तत्पश्चात अपने उत्पादन के प्रारंभ के ठीक पश्चात्किन्हीं तीन वर्षों में उसके द्वारा उपयोग की गई दालों की अधिकतम मात्रा का चौबीसवां भाग।

ं परन्तु यह भी कि जहां दालों की कोई भी मात्रा, अभिवहन में हो, वहां इस उपखण्ड के प्रयोजनों के लिए, ऐसी मात्रा उस अवधि के दौरान जब ऐसी मात्रा अभिवहन में है, उस व्यौहारी के भंडार में शामिल नहीं समझी जाएगी, जिसमें सम्यति की ऐसी मात्रा में किसी संविदा अथवा करार की शर्तों के अनुसार, ऐसे अभिवहन में बनी रहती है, जिसके अनुसरण में यह मात्रा ऐसे अभिवहन में रखी गई है।

परन्तु यह भी कि इस उपखण्ड की कोई बात ऐसे कमीशन एजेंट को लागू नहीं होगी जो उसके द्वारा प्राप्त की गई दालों का कोई भी परेषण उसके प्राप्त होने की तारीख से पन्द्रह दिन की अवधि से अधिक नहीं रोक रखता है।

परन्तु यह और ऊपर निर्दिष्ट भंडार सीमा आयातित दालों के संबंध में लागू नहीं होगी ।''

- 2. उपखण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक ष्यौहारी, उस उप-खण्ड में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर, किसी भी प्रकार की दालों के भंडार के बारे में, जो उसके पास या उसकी ओर से किसी अन्य व्यक्ति के पास, उपखण्ड (1) में विहित भंडार से अधिक, शेष रह गया हो, तत्काल कलक्टर को इसकी सूचना देगा तथा ऐसे भंडार का निपटान कलक्टर के निर्देशों के सिवाए व्यौहारी या अन्य व्यक्ति द्वारा नहीं किया जाएगा ।''
- उक्त आदेश के खण्ड 5 में,
 - (1) "या खाने योग्य तिलहनों या खाने योग्य तेलों" शब्दों का लोप किया जायेगा;
 - (2) ''खाने योग्य तिलहनों और खाने योग्य तेलों'' शब्दों का लोप किया जाएगा ।
- 8. उक्त आदेश के खण्ड 6 में ''खाने योग्य तिलहनों या खाने योग्य तेलों'' शब्दों का लोप किया जाएगा ।
- उक्त आदेश के खण्ड 7 में,—
 - (1) ''खाने योग्य तिलहनों और खाने योग्य तेलों'' शब्दों का लोप किया जाएगा;
 - (2) परन्तुक का लोप किया जाएगा।
- 10. उक्त आदेश में, खण्ड 8 के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात् :---
- ''8क. शंकाओं के निराकरण के लिए, यह घोषित किया जाता है कि इस अधिसूचना द्वारा उक्त आदेश में किए गए संशोधन निम्नलिखित पर प्रभाव नहीं डालेंगे :---
 - (क) उक्त आदेश का पूर्व प्रवर्तन या उसके अधीन सम्यक् रूप से की गई या भोगी गई बात; या
 - (জ্ব) उक्त आदेश के अधीन अर्जित या उपगत कोई अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता या दायित्व; या
 - (ग) उक्त आदेश के प्रति किए गए किसी अपराध के संबंध में कोई शास्ति, समपहरण या दण्ड, या
 - (घ) यथापूर्वोक्त ऐसे किसी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यता, दायित्व, शासी, समपहरण या दण्ड के बारे में कोई अन्वेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार और

ऐसा कोई अन्धेषण, विधिक कार्यवाही या उपचार संस्थित किया जा सकेगा, जा रखा या प्रवर्तित किया जा सकेगा और ऐसी कोई शास्ति, समपहरण या दण्ड अधिरोपित किया जा सक्ता है भागों उक्त आदेश निरसित न किया गया हो ।

[फा.सं. 12/14/96-एक्स.]

सुरेन्द्र कुमार, संयुक्त सन्निव

टिप्पण :— मूल आदेश का.आ. संख्या 780 (अ) दिनांक 21-11-1977 द्वारा अधिसूचित किया गया था तथा तत्पश्चात् निम्नलिखित के द्वारा संशोधन किए गए :—

- 1. का.आ.सं. 64 (अ) दिनांक 4-2-1978
- 2. का.आ.सं. 400 (अ) दिनांक 26-6-1978
- का.आ.सं. 536 (अ) दिनांक 20-9-1979
- का.आ.सं. 10 (अ) दिनांक 7-1-1982
- 5. का.आ.सं. 740(अ) दिनांक 17-10-1983
- 6. का.आ.सं. 465 (अ) दिनांक 14-6-1985
- का.आ.सं. 696 (अ) दिनांक 30~9~1986
- 8. का.आ.सं. 691 (अ) दिनांक 13-7-1987
- का.आ.सं. 833 (अ) दिनांक 13-9-1987
- 10. का.आ.सं. 983 (अ) दिनांक 12-11-1987

29.

- 11. का.आ.सं. 992 (अ) दिनांक 18-11-1987
- 12. का.आ.सं. 1052 (अ) दिनांक 10-12-1987
- 13. का.आ.सं. 211 (अ) दिनांक 26-2-1988
- 14. का.आ.सं. 595 (अ) दिनांक 21-6-1988
- 15. का.आ.सं. 750 (अ) दिनांक 11-8-1988
- 16. का.आ.सं. 1063(अ) दिनांक 18-11-1988
- 17. का.आ.सं. 3 (अ) दिनांक 2-1~1989
- 18. का.आ.सं. 230 (अ) दिनांक 28-3-1989
- 19. का.आ.सं. 351 (अ) दिनोक 10-5-1989
- 20. का.आ.सं. 634 (अ) दिनांक 11-8-1989
- 21. का.आ.सं. 1035 (अ) दिनांक 13-12-1989
- 22. का.आ.सं. 256 (अ) दिनांक 26-3-1990
- 23. का.आ.सं. 331 (अ) दिनांक 18-4-1990
- 24. का.आ.सं. 505 (अ) दिनांक 22-6-1990
- 25. का.आ.सं. 711 (अ) दिनांक 13-9-1990
- का.ंआ.सं. 223 (अ) दिनांक 26-3-1991
- 27. का.आ.सं. 485 (अ) दिनांक 26-7-1991
- 28. का.आ.सं. 298 (अ) दिनांक 27-4-1992

का.आ.सं. 332 (अ) दिनांक 14-5-1992

- 30. का.आ.सं. 612 (अ) दिनांक 10-8-1992
- 31. का.आ.सं. 730 (अ) दिनांक 1-10-1992
- 32. का.आ.सं. 93 (अ) दिनांक 8-2-1993
- 33. का.आ.सं. 98 (अ) दिनांक 10-2-1993
- 34. का.आ.सं. 718 (अ) दिनांक 25~9-1993
- का.आ.सं. 385 (अ) दिनांक 20-5-1994
- 36. का.आ.सं. 396 (अ) दिनांक 27-5-1994
- 37. का.आ.सं. 418 (अ) दिनांक 31-5-1994
- 38. का आ.सं. 479 (अ) दिनांक 28-6-1994
- 39. का.आ.सं. 320 (अ) दिनांक 6-4-1995
- 40. का.आ.सं. 591 (अ) दिनांक 29-6-1995
- 41. का.आ.सं. 646 (अ) दिनांक 20-7-1995
- 42. का.आ.सं. 676 (अ) दिनांक 28-7~1995 और
- 43. का.आ.सं. 981 (अ) दिनांक 20-12-1995.

MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS

ORDER

New Delhi, the 10th November, 1997

- S.O.772 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act,1955 (10 of 1955) the Central Government hereby makes the following order further to amend the Pulses, Edible oilseeds and edible oils (Storage Control) Order, 1977, namely:—
- 1.(1) This Order may be called the Pulses, Edible Oilseeds and Edible Oils (Storage Control) Amendment Order, 1997.
 - (2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.
- 2. In the Pulses, Edible Oilseeds and Edible Oils (Storage Control) Order, 1977 (herein after referred to as the said Order) in the preamble the words "edible oilseeds and edible oils" shall be omitted.
- 3. In the said Order, in clause (1), sub-clause (1), the words "Edible Oilseeds and Edible Oils" shall be omitted.
 - 4. In the said order, in clause 2,—
 - (i) in sub-clause (f) the words "edible oilseeds or edible oils" shall be omitted;
 - (ii) Sub-clause (g) shall be omitted;
 - (iii) in sub-clause (i), the words "and edible oilseeds" shall be omitted;
 - (iv) for sub-clause (i), the following shall be substituted, namely:—
 - (j) "producer" means a person carrying on the business of milling any of the pulses;
 - (i) by bying pulses for being Processed by himself and selling the finished products through a wholesaler or through a commission agent; or
 - (ii) by doing any process of milling on behalf of another."
 - (v) In sub-clause(1), the words

"or in edible oilseeds or in edible oils" shall be omitted.

- (vi) In sub-clause(n) the words " or in edible oilseeds or in edible oils" shall be omitted.
- 5. In the said Orders, in clause 3,—
 - (i) the words "or in edible oilseeds or in edible oils" shall be omitted;
- (ii) the words "or edible oilseeds or edible oils" shall be omitted;
- (iii) item (ii) shall be omitted;
- (iv) item (iii) shall be omitted.
- 6. In the said Order, in clause 4.—
 - (a) in the heading, the words "edible oilseeds and edible oils" shall be omitted;
 - (b) in sub-clause (1),—
 - (i) the words "edible oilseeds or edible oils" shall be omitted;
 - (ii) item (ii) shall be omitted,
 - (iii) item (iil) shall be omitted;
 - (iv) for the provisos, the following provisos shall be substituted, namely:—

"Provided that the stock limits specified for wholesaler in category A cities, shall apply to a wholesaler in such primary mandis situated in other categories of cities as the State Government may, having regard to the location of such mandis or other relevant factors, from time to time, specify.

Provided further that where a dealer is also carrying on business as a producer or commission agent he shall be entitled to retain the sotck limits specifed in this sub-clause for each such business if such business and accounts thereof are kept separate & distinct from one another.

Provided that no producer specified in column (1) of the Table below shall store or have in his possession at any time unmilled pulses as the case may be in exess of the quantity specified in the corresponding entry in column (2) of the said table, and he shall not hold the stock in exess of the quantity specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table:—

TABLE

Producer	Quantity Quantity of stock of milled pulses		
	of unmilled		
	pulses		
(1)	(2)	(3)	
	(a) Producer who is carrying on business on the commencement of this Order.	(b) Producer who has commenced is carrying on production after business on the the commence- ment of this Order. of this Order.	(b) Producer who has commenced production after the commencement of this Order.
Producer of Pulses	One-twelfth of the maximum quantity of pulses used by him in any of the three years ending on the 31st of October, 1982.	For a period of one year from the date of commencement of his production one-twelfth of the quantity of pulses that would be required for production, one-twelfth of the quantity of pulses that would be required for producing a quantity of pulses that would be required for producing a quantity of pulses that would be required for producing a quantity equal to his annual installed capacity and thereafter one-twelfth of maximum of pulses used by him in any of the three years immediately after commence-	For a period of one year from the date of commencement of his production, one twenty fourth of the quantity equal to his annual installed capacity. For the second year and third year of his production 1/24th of the quantity of pulses that would be required for producing a quantity equal to his annual installed capacity and there-after one-twenty-fourth of the maximum quantity of pulses used by him in any of the three years immediately afterthe commencement of his production.
		the three years immed-	
		ratery after commence-	

Provided also that where any quantity of pulses, is in transit then for the purposes of this sub-clause, such quantity shall not, during the period when such quantity is in transit, be deemed to have been included in the stocks of the dealer in whom the property in such quantity is retained during such transit in accordance with the terms of any contract or agreement in pursuance of which the quantity is put in such transit.

Provided also that nothing in this clause shall apply to a commission agent who does not retain any consignment of pulses received by him for a period exceeding fifteen days from the date of its receipt.

Provided further that the stock limits referred to above shall not apply to imported pulses."

- 2. Every dealer referred to in sub-clause (1) shall immediately on the expiry of the period specified in that sub-clause give intimation to the collector regarding the stocks of any pulses, left with him or any other person on his behalf in excess of the stocks prescribed in sub-clause (1) and such stocks shall not be disposed of by the dealer or other person except in accordance with the directions of the Collector.
- 7. In the said order, in clause 5,—
 - (i) the words 'for edible oilseeds or edible oils' shall be omitted;
 - (ii) the words "edible oilseeds and edible oils" shall be omitted.
- 8. In the said Order, in clause 6, the words "edible oilseeds or edible oils" shall be omitted.
- 9 In the said Order, in clause 7, -
 - (i) the words "edible oilseeds and edible oils" shall be omitted;
 - (ii) the proviso shall be omitted.
- 10. In the said Order, after clause 8, the following clause shall be inserted, namely:—
 - "8A. For the removal of doubts, it is hereby declared that the amendments made in the said Order by this notification shall not affect:—
 - (a) The previous operation of the said Order or anything duly done or suffered thereunder; or
 - (b) any right, privilege, obligation or liability acquired, or incurred under the said Order; or
 - (c) any penalty, forfeiture or punishment incurred in respect of any offence committed against the said Order, or
 - (d) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid.

and any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued or enforced and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as of the said Order had not been repealed."

[F. No. 12/4/96-Exp.] SURENDRA KUMAR, Jt. Secy.

Foot Note:—The Principal Order was published in the Gazette of India vide number S.O. 780 (E) dated 21-11-1977 and subsequently amended vide:—

- 1. S.O. 64(E) dated 4-2-1978
- 2. S.O. 400 (E) dated 26-6-1978
- 3. S.O. 536 (E) dated 20-9-1979
- 4. S.O. 10 (E) dated 7-1-1982
- 5. S.O. 740 (E) dated 17-10-1983
- 6. S.O. 465 (E) dated 14-6-1985
- 7. S.O. 696 (E) dated 30-9-1986
- 8. S.O. 691(E) dated 13-7-1987
- 9. S.O. 833(E) dated 13-9-1987
- 10. S.O. 983(E) dated 12-11-1987
- 11. S.O. 992(E) dated 18-11-1987
- 12, S.O. 1052(E) dated 10-12-1987

- 13. S.O. 211(E) dated 26-2-1988
- 14. S.O. 595(E) dated 21-6-1988
- 15. S.O. 750(E) dated 11-8-1988
- 16. S.O. 1063(E) dated 18-11-1988
- 17. S.O. 3(E) dated 2-1-1989
- 18. S.O. 230(E) dated 28-3-1989
- 19. S.O. 351(E) dated 10-5-1989
- 20. S.O. 634(E) dated 11-08-1989
- 21. S.O. 1035(E) dated 13-12-1989
- 22. S.O. 256(E) dated 26-3-1990
- 23. S.O. 331(E) dated 18-4-1990
- 24. S.O. 505(E) dated 22-6-1990
- 25. S.O. 711(E) dated 13-9-1990
- 26. S.O. 223(E) dated 26-3-1991
- 27. S.O. 485(E) dated 26-7-1991
- 28. S.O. 298(E) dated 27-4-1992
- 29. S.O. 332(E) dated 14-5-1992
- 30. S.O. 612(E) dated 10-8-1992
- 31. S.O. 730(E) dated 1-10-1992
- 32. S.O. 93(E) dated 8-2-1993
- 33. S.O. 98(E) dated 10-2-1993
- 34. S.O. 718(E) dated 25-9-1993
- 35. S.O. 385(E) dated 20-5-1994
- 36. S.O. 396(E) dated 27-5-1994
- 37. S.O. 418(E) dated 31-5-1994
- 38. S.O. 479(E) dated 28-6-1994
- 39. S.O. 320(E) dated 6-4-1995
- 40. S.O. 591(E) dated 29-6-1995
- 41. S.O. 646(E) dated 20-7-1995
- 42. S.O. 676(E) dated 28-7-1995 and
- 43. S.O. 981(E) dated 20-12-1995